श्रेष्ठ सुप्रभात

एक निश्चित समय, एक निश्चित स्थान, एक निश्चित मुद्रा और एक निश्चित अवधि तक अपने प्रभु की भक्ति में लीन रहना ही बड़ी सफलता की कुंजी है।

-आचार्य महाश्रमण

NEXT™

NEWS EXCELLENT TODAY

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
श्रीडूंगरगढ़	20.0	5.0
बीकानेर	20.0	5.0
जयपुर	21.0	6.0

E- Paper NEXT 0027

newsexcellenttoday.com | 07 जनवरी 2025, मंगलवार | पौष, शुक्ल पक्ष अष्टमी - 2081

धर्मयात्रा: 22 दिन की पदयात्रा करके 5 श्रद्धालु पहुँचे अयोध्या

NEXT श्रीडूंगरगढ़ से 22 दिन पहले शुरू हुई श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्रा शुक्रवार को अयोध्या में संपन्न हुई। करीब 1100 किलोमीटर की पैदल दूरी तय कर यह 5सदस्यों का दल भगवान राम के दर्शन के लिए पहुंचा। पदयात्री श्याम तिवाड़ी, लालचंद प्रजापत, नौरंगलाल प्रजापत, प्रदीप माली और महेश सिखवाल ने कहा कि पूरे सफर में भजन-कीर्तन और राम नाम का संकीर्तन किया।

अयोध्या पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया। दल के सदस्यों ने बताया कि यह यात्रा उनके लिए आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक शांति का अद्भुत अनुभव रही। उन्होंने इसे अपने जीवन का एक अविस्मरणीय पल बताया। शनिवार को यह दल सरयू नदी के तट पर पूजा-अर्चना करेगा और इसके बाद राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन करेगा। श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान राम के चरणों में शीश नवाने का यह अवसर उनकी आस्था को और गहराई देगा।

पर्यावरण संतुलन की दिशा में एक कदम: स्वस्थ हुए मोरों को प्राकृतिक आवास में किया पुनर्वास

NEXT वन विभाग के रेस्क्यू सेंटर में स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर चुके छह मोरों को सोमवार को उनके प्राकृतिक आवास में पुनर्वासित किया गया। इस प्रक्रिया का नेतृत्व सहायक वन संरक्षक एवं राजस्थान वन सेवा अधिकारी सत्यपाल सिंह ने किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. उत्तम भाटी ने सभी मोरों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण

किया। परीक्षण के उपरांत चार नर और दो मादा मोरों को प्राकृतिक आवास में सावधानीपूर्वक छोड़ा गया। यह प्रयास वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक अहम कदम है। सहायक वन संरक्षक सत्यपाल सिंह ने इस

अवसर पर कहा, "वन्यजीव संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें हर व्यक्ति की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। हमारा हर छोटा प्रयास पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और वन्यजीवों के सुरक्षित भविष्य की नींव रखता है।"

डॉ. उत्तम भाटी ने कहा कि वन विभाग, श्रीडूंगरगढ़ रेंज का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है, जो भविष्य में जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने में मददगार होगा। पुनर्वास कार्यक्रम में वनपाल विजेंद्र सिंह, सहायक वनपाल धनपत बाना, वनरक्षक शांति प्रकाश शर्मा, तकनीशियन तृतीय अमराराम और भंवरलाल सहित रेंज के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरकार ने बदला परीक्षा का नाम: अब "मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान"

NEXT राजस्थान में सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की योग्यता जांचने के लिए होने वाली परीक्षा का नाम बदल दिया गया है। पहले इस परीक्षा को "राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम (RKSMBK)" के नाम से जाना जाता था, जिसे अब "मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (MSRA)" कर दिया गया है। शिक्षा विभागीय परीक्षा के पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने आदेश जारी करते हुए सभी डाइट प्रिंसिपलों को निर्देश दिया है कि कक्षा 3 से 8 के विद्यार्थियों के लिए जनवरी में यह परीक्षा आयोजित की जाए। यह परीक्षा हिन्दी, अंग्रेजी और गणित जैसे विषयों में होगी। सवाल पिछली कक्षा के पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे, ताकि यह समझा जा सके कि छात्र ने पिछली कक्षा का ज्ञान हासिल किया है या नहीं। कमजोर प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

शिक्षक संगठनों की मांग और नाम परिवर्तन

शिक्षक संगठनों ने लंबे समय से RKSMBK परीक्षा को बंद करने की मांग की थी। उनका कहना था कि यह परीक्षा वार्षिक परीक्षा से पहले पढ़ाई में बाधा बनती है। हालांकि, सरकार ने इसे बंद करने के बजाय सिर्फ नाम बदलने का निर्णय लिया है।

बाबा भैरव के भजनों से सरोबार हुई राजधानी

श्री भैरवनाथ भक्त मंडल की ओर से धूमधाम से आयोजित हुआ सातवां वार्षिक जागरण

NEXT 'नथली में डोलर हिन्डो घाल कलाली' जैसे भजनों से रविवार को देश की राजधानी सराबोर हो गई। मौका था कस्बे के प्रवासियों द्वारा आयोजित होने वाले श्री बाबा भैरवनाथ के वार्षिक जागरण का। इसमें राजधानी समेत दूरदराज से कस्बे के प्रवासी पहुंचें।

दिल्ली के गुलाबी बाग स्थित ओल्ड कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित हुए सातवें श्री बाबा भैरव नाथ में वार्षिक जागरण में सुप्रसिद्ध भजन गायक गजेंद्र राव पहुंचे। उन्होंने बाबा के प्रसिद्ध भजन 'बाबा म्हारा सज रया मुच्छादार तोरण रो बीन्द लागरिया' से समां बांध दिया।

राव ने बाबा के प्रसिद्ध भजन 'रूणझुण बाजे घुंघरा' समेत एक से बढ़कर एक भजनों की झड़ी लगा दी जिसमें भक्तगण थिरकने पर मजबूर हो गए। भक्तों की आस्था देखकर भजन गायक भी गदगद हो गए। राव ने मंच से कहा कि भैरव बाबा की भक्ति अपरंपार है। मैं सालों से देशभर में बाबा के जागरण कर रहा हूं लेकिन राजधानी दिल्ली में राजस्थानी समुदाय कि एकजुटता वाकई सबसे अद्भुत रही। बाबा भैरवनाथ की भक्ति की आस्था का पहला मौका था जिसमें जागरण में शामिल होने के लिए कस्बे के प्रवासी इतनी ठंड के बावजूद दिल्ली के अलावा असम, हरियाणा, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से पहुंचे।

इस मौके पर बाबा भैरवनाथ का भव्य पंडाल सजाया गया, जिसमें बाबा का फूलों से श्रृंगार किया गया। बाबा को मिठाई पान, फल और छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया गया। श्री बाबा भैरवनाथ भक्त मंडल, चांदनी चौक के सदस्यों ने बताया कि बाबा कि ज्योत के लिए लखासर धाम से मुख्य पंडित जी समेत तोलियासर धाम और बेरासर धाम के पुजारी भी पहुंचे। उन्होंने बाबा की ज्योत, पूजा अर्चना की और सभी भक्तों के लिए मंगल कामना की।

इस अवसर पर बाबा के सानिध्य में भक्ति सेल्फी प्वाइंट बनाया गया जहां भक्तों ने खूब सेल्फी क्लिक की। बाबा के लिए श्रीडूंगरगढ़ कस्बे से प्रसाद बनाने वाले पहुंचे। उन्होंने बाबा के प्रसाद के अलावा क्षेत्र के सुप्रसिद्ध व्यंजन बनाए। भक्तों ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले जागरण कार्यक्रम में दूरदराज से भी भक्तगण पहुंचते है। इससे क्षेत्र के लोगों को एक दूसरे से मिलने का भी मौका मिलता है।

किसान क्रेडिट कार्ड धारक ऋणी कृषकों के लिए रबी फसलों के बीमा की तिथि

15 जनवरी तक बढ़ाई, कुल बीमित राशि का 1.5 प्रतिशत प्रीमियम किसानों को करना होगा जमा

NEXT प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत रबी-2024 के लिए जिले में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी अधिसूचित है। संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी ने बताया कि कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार केसीसी धारक ऋणी किसानों के लिए बीमा की तिथि 15 जनवरी तक के लिए बढ़ाई गयी हैं। केसीसी धारक ऋणी कृषक रबी फसलों का बैंक के माध्यम से बीमा करवा सकेगे जिन्होंने केसीसी खाता 31 दिसम्बर 2024 से पहले सेक्शन या रिन्यूअल करा लिया है।

कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत ने बताया कि जिले के किसान जौ, चना, गेंहू, मेथी, जीरा, तारामीरा व इसबगोल फसल के बीमा करवा सकते हैं।

प्रीमियम राशि का भुगतान कर बीमा इच्छुक किसान करवा सकते हैं। इच्छुक किसान अंतिम दिनांक का इंतजार किए बिना अपनी फसलों का बीमा करवाएं।

फसल	बीमित राशि	प्रीमियम राशि
जौ	44689	625
चना	47750	716
जीरा	83530	4176
ईसबगोल	68114	3405
मेथी	62103	3105
सरसों	67525	1012
तारामीरा	31594	473
गेंहू	55207	828

गहलोत ने बताया कि फसल बीमा योजना की ओर अधिक जानकारी के लिए एग्रीकल्चर इन्श्योरेन्स कम्पनी व्हाट्सएप नंबर 7065514447 बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं तथा नजदीकी कृषि कार्यालय में बीमा कंपनी प्रतिनिधि से संपर्क कर सकते हैं।

एनएच पर स्थित वनविभाग की भूमि पर आग लगी, कीकर जले, काबू पाया
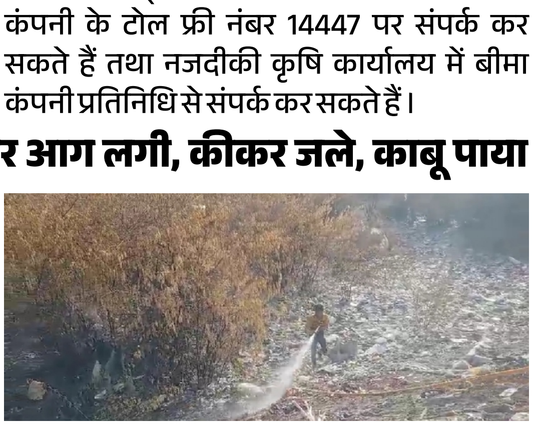
NEXT राष्ट्रीय राजमार्ग पर वनविभाग की भूमि पर सोमवार दोपहर अचानक से आग लग जाने से कीकर धूं-धूं करके जलने लगे। गणपति धर्मकांटा के समीप हुई घटना की जानकारी मिलते ही 112 और फायर बिग्रेड पहुंची और आग पर काबू पाया। इस दौरान काफी कीकर जल चुके थे।